विवरणिका

2020-21

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा 1996 ई. में पारित अधिनियम के अंतर्गत 1997 ई. में केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। देश का यह पहला अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि सेवाग्राम (वर्धा) से लगभग दस किलोमीटर दूर नागपुर–मुंबई हाइवे पर उमरी गाँव के निकट पंचटीला पर अवस्थित है। विश्वविद्यालय का क्षेत्रफल लगभग 212 एकड़ है।

विश्वविद्यालय की स्थापना सुदीर्घ प्रयत्नों का सुफल है। हिंदी भाषा और साहित्य की उन्नति के साथ ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों में अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक समर्थ माध्यम के रूप में हिंदी का सम्यक् विकास इसका प्रधान लक्ष्य है। देश–दुनिया की भाषाओं के साथ हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन तथा उनसे अधुनातन अनुशासनों की अद्यतन ज्ञान–सामग्री का हिंदी में अनुवाद और विकास विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। आज के बहुभाषा–भाषी विश्व में एक समर्थ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की पहचान स्थापित करना भी विश्वविद्यालय का प्रमुख लक्ष्य है। विश्वविद्यालय में भाषा विद्यापीठ, साहित्य विद्यापीठ, संस्कृति विद्यापीठ, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर, शोध और डिप्लोमा के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कोलकाता तथा प्रयागराज में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र हैं जहाँ कई पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में दूर शिक्षा निदेशालय है जहाँ दूर शिक्षा के माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है।

विश्वविद्यालय ने अपने अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को दृष्टिगत रखते हुए 2011 ई. से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस विश्वविद्यालय में आवासीय परिसर के साथ साइबर परिसर की सह–परिकल्पना की गई है। इसके लिए आधुनिक तकनीकी उपादानों को संयोजित किया गया है। साइबर परिसर को विश्वविद्यालय की 'लीला' (Laboratory in Informatics for Liberal Arts) की सहायता से संचालित किया जा रहा है। पारंपरिक पुस्तकालय के साथ डिज़िटल पुस्तकालय का विकास भी विश्वविद्यालय की योजना का अंग है। मौलिक और मानक ग्रंथों का प्रकाशन, दुर्लभ पांडुलिपियों, चित्रों, दस्तावेज़ों का संग्रह, विश्वकोशों और संदर्भ–कोशों का निर्माण आदि विश्वविद्यालय की अनूठी योजनाएँ हैं।

कुलपति का संदेश ...

प्रिय छात्र-छात्राओं,

अकादमिक सत्र : 2020–21 हेतु विश्वविद्यालय परिसर में आपका स्वागत।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना भारत भारती हिंदी को केंद्र में रख कर विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान का सृजन करने और समर्थ युवा पीढ़ी के निर्माण के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान के रूप में की गई। विश्वविद्यालय से यह अपेक्षा होती है कि वहाँ से उपजते नए विचार और नवाचार जीवन की गुणवत्ता के संवर्धन में सहायक होंगे। सूचना और ज्ञान के विस्फोट के वर्तमान युग में शिक्षा संस्थानों के लिए ज्ञान को व्यापक समाज तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना एक जटिल चुनौती बनती जा रही है। ऐसे में यह विश्वविद्यालय आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को एक जीवंत शैक्षिक और सांस्कृतिक परिवेश उपलब्ध कराता है जहाँ विविध सृजनात्मक प्रवृत्तियों के विकास पर बल दिया जाता है। यहाँ पर माननीय राष्ट्रपति और कुलाध्यक्ष ने भाषा, साहित्य, संस्कृति, अनुवाद एवं निर्वचन, सामाजिक विज्ञान, शिक्षा तथा अनुप्रयक्त विज्ञान एवं व्यावसायिक अध्ययन के विद्यापीठों में अध्ययन–अध्यापन और शोध की अनुमति दी है। इसके अतिरिक्त विधि विद्यापीठ की भी अनुमति मिल गई है, जो आवश्यक व्यवस्था के पश्चात् शीघ्र ही आरंभ होगा। इस समय संचालित शैक्षिक विभाग एवं केंद्र इस प्रकार हैंः– भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी, विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन, भारतीय भाषा, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य, मराठी साहित्य, संस्कृत साहित्य, गांधी एवं शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन, डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन, दर्शन एवं संस्कृति, अनुवाद अध्ययन, प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन, पराविद्या उच्च शोध एवं ज्ञान–सर्जन, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, शिक्षा, जनसंचार, सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी, प्रदर्शनकारी कला, मानवविज्ञान, मनोविज्ञान तथा प्रबंधन एवं वाणिज्य। इन विभिन्न अनुशासनों में अध्ययन–अध्यापन और शोध किया जाता है। हिंदी अधिगम तथा प्रशिक्षण केंद्र द्वारा हिंदी भाषा के बहुविध प्रयोग को समर्थ बनाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। यहाँ विदेशी विद्यार्थियों के लिए हिंदी के अध्ययन की सुविधा भी उपलब्ध है। विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा निदेशालय बी.एड. के साथ अनेक विषयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। कोविड–19 ने शिक्षा व्यवस्था के समक्ष एक गंभीर चुनौती खड़ी की है। विश्वविद्यालय ने इस चुनौती को स्वीकार कर कक्षाओं सहित सभी अकादमिक गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने अपने अन्य सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए कई कार्य किये। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय पूर्णरूपेण प्रतिबद्ध है।

इस विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रक्रिया में संचार की नई तकनीकों तथा कल्पनाशीलता तथा अनुभवपरक सीखने के अवसरों के साथ–साथ सामाजिक जीवन से जुड़ने को भी महत्त्व दिया जाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि यहाँ के प्राकृतिक परिवेश और अध्ययन के लिए उपलब्ध सुविधाओं के साथ आप एक सक्रिय विद्यार्थी के रूप में आगे बढ़ सकेंगे। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि नैक (NAAC) द्वारा मूल्यांकन के पश्चात् विश्वविद्यालय को "A" Grade प्रदान किया गया है जो विश्वविद्यालय के उच्च शैक्षिक स्तर का द्योतक है।

मुझे विश्वास है कि महात्मा गांधी और महान संत विनोबा भावे की कर्मभूमि में स्थित यह विश्वविद्यालय आपके समग्र व्यक्तित्व का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टियों से विकास करते हुए एक योग्य व्यक्ति बनने का अवसर देगा। मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि विश्वविद्यालय के अध्यापक और कर्मचारी आने वाले सभी विद्यार्थियों के अध्ययन को सफल बनाने के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध कराएँगे।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

(प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल)
कुलपति

अनुक्रम

1. विश्वविद्यालय के विद्यापीठ : विभाग एवं केंद्र 01
   भाषा विद्यापीठ 01
   साहित्य विद्यापीठ 02
   संस्कृति विद्यापीठ 02
   अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ 03
   सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ 04
   शिक्षा विद्यापीठ 04
   अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ 05
2. क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता 05
3. क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज 06
4. दूर शिक्षा 06
5. विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम एवं अर्हता विवरण 07–15
   पाठ्यक्रम : पी–एच.डी. 07–08
   पाठ्यक्रम : एम.ए. 08–10
   पाठ्यक्रम : एम.बी.ए. / एम.टेक. / एम.एड. / बी.एड. / बी.ए. / बी.जे.एम.सी. तथा बी.एस.डब्ल्यू. 11–13
   पाठ्यक्रम : पी.जी. डिप्लोमा / डिप्लोमा / सर्टिफिकेट 13–14
6. विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज एवं कोलकाता पर संचालित पाठ्यक्रम 14–15
7. अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम 15–16
8. शुल्क–विवरण 17–18
9. प्रवेश के नियम 29–20
10. उपलब्ध सुविधाएँ 21–22
11. अकादमिक कैलेंडर 2020–21 24
12. प्रवेश–परीक्षा कार्यक्रम 2020–21 24–25
13. नोवल कोरोना वायरस कोविड–19 जागरूकता 26

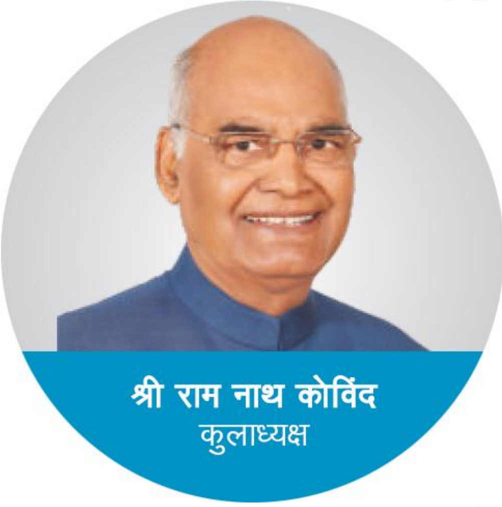
श्री राम नाथ कोविंद
कुलाध्यक्ष

प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी
कुलाधिपति

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल
कुलपति

प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
प्रति कुलपति एवं
वित्त अधिकारी

डॉ. चंद्रकांत एस. रागीट
प्रति कुलपति

क़ादर नवाज़ ख़ान
कार्यकारी कुलसचिव

विश्वविद्यालय के विद्यापीठ : विभाग एवं केंद्र

भाषा विद्यापीठ

भाषा विद्यापीठ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, अधिनियम–1997 द्वारा स्थापित चार (04) विद्यापीठों में से एक है। विद्यापीठ की संकल्पना भाषा केंद्रित अध्ययन के एक अनूठे केंद्र के रूप में की गयी है। हिंदी भाषा का विकास, प्रोन्नयन और पहचान स्थापित करना विद्यापीठ का मूल उद्देश्य है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए हिंदी की प्रभावी प्रकार्यात्मक क्षमता तथा अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में उसका विकास विद्यापीठ का अभीष्ट लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विद्यापीठ की मुख्य कार्य–योजनाएँ इस प्रकार हैं–

1. हिंदी भाषा के सभी पक्षों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन।
2. हिंदी एवं उसकी आधार भाषाओं (अवधी, ब्रज, भोजपुरी, मारवाड़ी, मालवी आदि) संबंधी सर्वेक्षण–अध्ययन।
3. हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन।
4. भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्ध ज्ञान को हिंदी के लिए सुलभ बनाना।
5. हिंदी के लिए प्रौद्योगिकीय उपकरणों एवं सॉफ्टवेयर का विकास।
6. भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी मौलिक ज्ञान का हिंदी में सृजन।
7. हिंदी के क्षितिज–विस्तार के लिए विदेशी भाषाओं का अध्ययन।
8. अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन।

इन कार्य–योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध और विविध प्रकार के विस्तार कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। भाषा विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किये गये हैं –

1. **भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– स्नातक स्तर पर भाषाविज्ञान एक वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध है। एम.ए. हिंदी (भाषाविज्ञान), हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी), पी–एच.डी. हिंदी (भाषाविज्ञान), पी–एच.डी. हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी), पी–एच.डी. हिंदी (भाषाशिक्षण), भाषाशिक्षण में पी.जी. डिप्लोमा।

2. **विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र**
   संचालित पाठ्यक्रम– स्नातक स्तर पर जापानी, फ्रांसीसी, चीनी, स्पैनिश वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध हैं।
   1. जापानी भाषा में सर्टिफिकेट, जापानी भाषा में डिप्लोमा।
   2. फ्रांसीसी भाषा में सर्टिफिकेट, फ्रांसीसी भाषा में डिप्लोमा, पी–एच.डी. फ्रांसीसी (भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद)।
   3. चीनी भाषा में सर्टिफिकेट, चीनी भाषा में डिप्लोमा, पी–एच.डी. चीनी भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद)।
   4. स्पैनिश भाषा में सर्टिफिकेट, स्पैनिश भाषा में डिप्लोमा, पी–एच.डी. स्पैनिश (भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद)।

3. **भारतीय भाषा विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– संस्कृत भाषा में सर्टिफिकेट, मराठी भाषा में सर्टिफिकेट।

साहित्य विद्यापीठ

साहित्य विद्यापीठ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, अधिनियम–1997 द्वारा स्थापित चार (04) विद्यापीठों में से एक है। साहित्य विद्यापीठ हिंदी के साथ–साथ भारतीय एवं विश्व साहित्य के अध्ययन–अध्यापन के लिए समर्पित है। विश्वविद्यालय के उद्देश्य में ही निहित है कि हिंदी भारतीय भाषाओं से संवाद करती हुई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो। साहित्य समावेशी विद्या है। ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ संबंध रहा है। इस दृष्टि से अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध विद्यापीठ की प्रमुख गतिविधि है।

इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग स्थापित किए गए हैं:–

1. **हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– स्नातक स्तर पर हिंदी अनिवार्य विषय है। स्नातक स्तर पर अंग्रेजी एवं उर्दू वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध हैं। एम.ए. हिंदी साहित्य, एम.ए. हिंदी (तुलनात्मक भारतीय साहित्य), एम.ए. हिंदी (अनुवाद), एम.ए. हिंदी (भाषाशिक्षण), पी–एच.डी. हिंदी साहित्य।

2. **मराठी साहित्य विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– स्नातक स्तर पर मराठी वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध है। एम.ए. मराठी।

3. **संस्कृत साहित्य विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– स्नातक स्तर पर संस्कृत एक वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध है। एम.ए. संस्कृत, पी–एच.डी. संस्कृत।

संस्कृति विद्यापीठ

संस्कृति विद्यापीठ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, अधिनियम–1997 द्वारा स्थापित चार (04) विद्यापीठों में से एक है। संस्कृति विद्यापीठ दार्शनिक, सांस्कृतिक अध्ययन, समाज विज्ञान विमर्श एवं बहुसांस्कृतिक अकादमिक विकास के लक्ष्य के प्रति समर्पित है। विद्यापीठ की गतिविधियाँ सामाजिक न्याय, एवं शांतिपूर्ण विकास के मूल्यों का मार्ग प्रशस्त करती हैं। हिंदी भाषा में गंभीर समाज विज्ञान विमर्श, अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध के माध्यम से समाज व संस्कृति के सम्मुख प्रस्तुत चुनौतियों के अहिंसक एवं शांतिपूर्ण समाधान की तलाश, वंचित एवं हाशिए के समूहों की बराबरी के संघर्ष को प्रस्तुत करना इस विद्यापीठ के प्रमुख लक्ष्य हैं।

इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किए गए हैं–

1. **गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– एम.ए. गांधी एवं शांति अध्ययन, पी–एच.डी. गांधी एवं शांति अध्ययन, मानवाधिकार में पी.जी. डिप्लोमा, गांधी विचार में पी.जी. डिप्लोमा।

2. **स्त्री अध्ययन विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– एम.ए. स्त्री अध्ययन, पी–एच.डी. स्त्री अध्ययन, जेंडर अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा।

3. **डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर–सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र**
   संचालित पाठ्यक्रम– एम.ए. दलित एवं जनजातीय अध्ययन, पी–एच.डी. दलित एवं जनजातीय अध्ययन, दलित विचार में पी.जी. डिप्लोमा।

4. **डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र**
   संचालित पाठ्यक्रम– एम.ए. बौद्ध अध्ययन, पी–एच.डी. बौद्ध अध्ययन, बौद्ध अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा।

5. **दर्शन एवं संस्कृति विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– स्नातक स्तर पर दर्शनशास्त्र वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध है।
   एम.ए. दर्शनशास्त्र, पी-एच.डी. दर्शनशास्त्र।

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, अधिनियम–1997 द्वारा स्थापित चार (04) विद्यापीठों में से एक है। विश्वविद्यालय अधिनियम द्वारा निर्धारित उद्देश्यों की अनुरूपता में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के निम्नलिखित कर्त्तव्य हैं–

1. अनुवाद संबंधी शोध, शिक्षण एवं प्रशिक्षण के पाठ्यक्रमों का संचालन।
2. भारत और भारत के बाहर विभिन्न ज्ञानानुशासनों के क्षेत्र में संपन्न अनुसंधान और ज्ञान–सामग्री को मुख्यतः हिंदी एवं भारतीय भाषाओं में विकसित करना और उपलब्ध कराना।
3. हिंदी भाषा और साहित्य के संवर्धन के लिए भारतीय भाषाओं एवं साहित्य के लिए अनूदित आधार सामग्री का विकास करना।
4. भारतीय भाषाओं के मध्य संवाद एवं आदान–प्रदान बढ़ाने के लिए सेतु भाषा के रूप में संस्कृत को विकसित करने के उपाय करना।
5. हिंदी में ज्ञान के विकास और मौलिक ज्ञान के सृजन के लिए भारतीय निर्वचन परंपरा का पुनरान्वेषण एवं तदनुरूप उपर्युक्त पद्धतियों का विकास।
6. कौशल संपन्न अनुवादकों, आशु–अनुवादकों एवं निर्वचन–कर्ताओं को तैयार करना तथा राष्ट्रीय स्तर पर इन्हें व्यावसायिक समूहों से संबद्ध करना।
7. राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रवासित/डायस्पोरा समुदाय के भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं समस्याओं तथा भारतीय संस्कृति की सापेक्षता में अध्ययन।

उपरिलिखित कार्य–योजना के कार्यान्वयन के लिए अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किये गये हैं–

1. **अनुवाद अध्ययन विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– एम.ए. अनुवाद अध्ययन, पी–एच.डी. अनुवाद अध्ययन, अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा।
2. **प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– एम.ए. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन, पी–एच.डी. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन, भारतीय डायस्पोरा में पी.जी. डिप्लोमा।
3. **पराविद्या उच्च शोध एवं ज्ञान–सर्जन केंद्र (Transdisciplinary Advanced Research & Knowledge Creation Centre)**
   विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के सहकार से भाषा, साहित्य, संस्कृति तथा अनुवाद एवं निर्वचन केंद्रित विषयों पर परानुशासनिक (Transdisciplinary) शोध एवं ज्ञान सर्जन के लिए स्थापित है। वे अभ्यर्थी जो अपने ज्ञानानुशासन की मर्यादाओं से आगे बढ़कर ज्ञान को उसकी संश्लिष्टता एवं एकान्विति में आविष्कृत/साक्षात्कृत करना चाहते हैं इस केंद्र में रिक्त पी–एच.डी. सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश हेतु अर्हताएँ अन्य पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों के समान होंगी। इस केंद्र के अंतर्गत कुल 19 सीटें रिक्त हैं जो पराविद्या उच्च शोध एवं ज्ञान–सर्जन केंद्र के साथ सहयोजित शोध–निर्देशकों के मूल विभागों से स्थानांतरित की गयीं हैं।

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इस विद्यापीठ की स्थापना 2010 ई. में हुई। यह विद्यापीठ हिंदी भाषा के माध्यम से समाज विज्ञान के नवाचारी एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के शिक्षण–प्रशिक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। समाज में जनमत निर्माण, मीडिया हस्तक्षेप, समाज कार्य, शोध एवं हस्तक्षेप, भारतीय समाज की मानवशास्त्रीय व्याख्या आदि अकादमिक एवं व्यावहारिक विमर्श इस विद्यापीठ की गतिविधियों को लक्ष्य हैं। विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से यह विद्यापीठ समाज से सीधे जुड़कर अपनी शोध एवं अकादमिक गतिविधियों को संपन्न कर रहा है। इस विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किए गए हैं–

1. **महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र**
   संचालित पाठ्यक्रम– बी.एस.डब्ल्यू., एम.एस.डब्ल्यू., पी–एच.डी. समाज कार्य।
2. **राजनीति विज्ञान विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम – स्नातक स्तर पर राजनीति विज्ञान एक वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध है। एम.ए. राजनीति विज्ञान।
3. **समाजशास्त्र विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– स्नातक स्तर पर समाजशास्त्र एक वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध है। एम.ए. समाजशास्त्र, पी–एच.डी. समाजशास्त्र।
4. **इतिहास विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– स्नातक स्तर पर इतिहास एक वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध है। एम.ए. इतिहास।

शिक्षा विद्यापीठ

शिक्षा विद्यापीठ का प्रमुख लक्ष्य विश्वविद्यालय के उद्देश्य के अनुरूप ऐसे शिक्षक तैयार करना है जो हिंदी भाषा एवं साहित्य सहित विभिन्न ज्ञानानुशासनों में हिंदी माध्यम से राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण कर सकें। उक्त हेतु इस विद्यापीठ द्वारा शिक्षकों, अध्यापक–शिक्षकों एवं शिक्षाशास्त्र के अध्येताओं के लिए श्रेष्ठ अकादमिक और वृत्तिक विकास के अवसरों को उपलब्ध कराया जाता है। इस विद्यापीठ में भावी शिक्षकों एवं अध्येताओं को समग्र विकास का ऐसा परिवेश उपलब्ध कराया जाता है जिससे वे सुयोग्य, समर्थ, रचनाधर्मी, प्रतिबद्ध, समर्पित, समीक्षात्मक दृष्टि से युक्त, समाज एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तथा शिक्षा-कार्य के लिए अभिप्रेरित अध्यापक, शोधवेत्ता एवं शिक्षाविद बन सकें। इसके साथ ही शिक्षा से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में शोधकार्य को प्रोत्साहित करना, शिक्षा के विभिन्न सरोकारों से जुड़े परिप्रेक्ष्यों का विकास करना एवं हिंदी माध्यम से शिक्षाशास्त्र ज्ञानानुशासन से संबंधित पाठ्य सामग्री का विकास करना इस विद्यापीठ के उद्देश्यों में निहित है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत एक प्रमुख केंद्र के रूप में यह विद्यापीठ संपूर्ण देश के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं अध्यापक–शिक्षकों के क्षमता संवर्धन में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रमों के आयोजन के द्वारा महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस विद्यापीठ में शिक्षा विभाग स्थापित किया गया है–

1. **शिक्षा विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– बी.एड, एम.एड., एम.ए. शिक्षाशास्त्र, पी–एच.डी. शिक्षाशास्त्र।

विश्वविद्यालय में अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ की स्थापना 2020 ई. में हुई। इस विद्यापीठ में वर्तमान परिवेश की प्रवृत्तियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हिंदी भाषा में अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं व्यावसायिक अध्ययन से जुड़े रोज़गारपरक नवाचारी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य हिंदी तथा हिंदीतर भाषियों के लिए बाज़ार की माँग को ध्यान में रखते हुए संबंधित ज्ञान एवं कौशल को विकसित करना तथा अनुप्रयुक्त विज्ञान और व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ के सिद्धांत के साथ–साथ व्यावहारिक ज्ञान से भी परिचित कराना है।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किए गए हैं–

1. **जनसंचार विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक (बीजेएमसी), एम.ए. जनसंचार, पी–एच.डी. जनसंचार।

2. **सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र**
   संचालित पाठ्यक्रम– मास्टर ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग,एम.टेक. (कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स), पी.जी.डी. सी.ए।

3. **प्रदर्शनकारी कला विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम –
   एम.ए. (नाट्यकलाशास्त्र), – एम.ए. (फ़िल्म अध्ययन) पी–एच.डी. (नाट्यकलाशास्त्र)।

4. **मानवविज्ञान विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– स्नातक स्तर पर मानवविज्ञान एक वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध है। एम.ए. मानवविज्ञान, पी–एच.डी. मानवविज्ञान, फोरेंसिक साइंस में डिप्लोमा।

5. **मनोविज्ञान विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– स्नातक स्तर पर मनोविज्ञान एक वैकल्पिक विषय के रूप में उपलब्ध है। एम.ए. मनोविज्ञान, परामर्श एवं निर्देशन में पी.जी. डिप्लोमा।

6. **प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग**
   संचालित पाठ्यक्रम– एम.बी.ए.।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

एकतान, ईजेडसीसी, आईए–290, सेक्टर 3, साल्ट लेक, कोलकाता– 97 (प.बं.) फोन: 033 – 46039985

इस केंद्र की स्थापना 2009 ई. में की गई।

इस केंद्र पर स्थापना विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठों के पाठ्यक्रमों को विशेषतः उत्तर–पूर्व के विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के लिए की गई। इस केंद्र का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत और सार्क देशों की जनजातीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं के साहित्य तथा संस्कृति के साथ हिंदी का संबंध प्रगाढ़ करना, उनसे साहित्यिक–सांस्कृतिक संबंध जोड़ना, पूर्वोत्तर भारत और सार्क देशों की भाषाओं के बीच समन्वय की संस्कृति को बढ़ावा देना, हिंदी माध्यम से अध्ययन, शोध और नवाचार के अनेक उपक्रमों तथा अनुवाद के माध्यम से कोलकाता केंद्र को पूर्वोत्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का अनुशीलन केंद्र और सार्क देशों का अध्ययन केंद्र बनाना है।

संचालित पाठ्यक्रम–

एम.ए. हिंदी साहित्य, एम.ए. हिंदी (अनुवाद), पी–एच.डी. हिंदी साहित्य, पी–एच.डी. अनुवाद अध्ययन अध्ययन।

क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज (इलाहाबाद)

24/28, सरोजिनी नायडू मार्ग, सिविल लाइंस, प्रयागराज – 211001 (उ.प्र.) फोनः 0532 – 2424442

प्रयागराज केंद्र की स्थापना वर्ष 2009 में हुई। इस केंद्र पर स्थानीय आवश्यकताओं को समाविष्ट करते हुए इस केंद्र पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठों में संचालित पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। इनमें हिंदी के अनेक नवोन्मेषी पाठ्यक्रम हैं जो हिंदी के विद्यार्थियों/शोधार्थियों के लिए रोजगार की अनेक संभावनाएँ उद्घाटित करते हैं। मूलतः हिंदी क्षेत्र के केंद्र में स्थित होने के कारण इस केंद्र को हिंदी संबंधी अध्ययन एवं शोध के अनूठे केंद्र के रूप में विकसित करना हं, जो हिंदी के साथ शेष भारतीय भाषाओं, उनके साहित्यों और सांस्कृतिक वैविध्य को अपने अध्ययन का केंद्रीय लक्ष्य मानकर कार्य करने के लिए प्रतिश्रुत है।

संचालित पाठ्यक्रम– एम.ए. हिंदी साहित्य, एम.ए. हिंदी (अनुवाद) एम.ए. हिंदी (भाषाशिक्षण), पी–एच.डी. हिंदी साहित्य, पी–एच.डी. स्त्री अध्ययन, एम.एस.डब्ल्यू., एम.ए. राजनीति विज्ञान, अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा।

दूर शिक्षा

दूर शिक्षा

दूर शिक्षा पाठ्यक्रमों का उद्देश्य देश भर के सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले उच्च शिक्षा के अभिलाषी विद्यार्थियों के लिए हिंदी माध्यम से विभिन्न ज्ञानानुशासनों में विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं। ये पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं जिनकी नियमित उच्च शिक्षा सेवायोजित होने अथवा किन्हीं अन्य कारणों से बाधित हो गयी है। दूर शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण दूर शिक्षा की विवरणिका में देखी जा सकती है। विस्तृत जानकारी के लिए दूरभाष नं. (07152) 251613) 241040) 247146 तथा टोल फ्री नं. 18002331575 पर संपर्क किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम : पी–एच.डी.

अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 55% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग **(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 50%) अंकों के साथ संबंधित/सुसंगत विषय में एम.ए.। भारत सरकार/यू.जी.सी. के आरक्षण नियमानुसार तथा रिक्त श्रेणी सीटों की सापेक्षता में पी–एच.डी. सीटों का विज्ञापन किया गया है।		
प्रवेश :	**ऑलाइन लिखित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर।**		
	पाठ्यक्रम का नाम	**सीटों की संख्या**	**विषय से संबंधित/सुसंगत विषय**
((i) 100+20= 120 क्रेडिट एम.ए. उत्तीर्ण के लिए (ii) 100 क्रेडिट एम.फिल. उत्तीर्ण के लिए)	1. पी–एच.डी. हिंदी (भाषाविज्ञान) 2. पी–एच.डी. हिंदी (भाषाशिक्षण) 3. पी–एच.डी. हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)	**कुल– 05** (ई.डब्ल्यू.एस.–02, अना.–03)	भाषा प्रौद्योगिकी/हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी) /भाषाविज्ञान/कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. स्पैनिश (भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद)	**कुल– 04** (अ.पि.व.–02, ई.डब्ल्यू.एस.–01, अना.– 01)	स्पैनिश में एम.ए. अथवा किसी अन्य भाषा या भाषाविज्ञान में एम.ए. एवं स्पैनिश में डिप्लोमा।
	पी–एच.डी. चीनी (भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद)	**कुल– 04** (अ.जा.–01, अ.पि.व.–01, अना.– 02,)	चीनी में एम.ए. अथवा किसी अन्य भाषा या भाषाविज्ञान में एम.ए. एवं चीनी में डिप्लोमा।
	पी–एच.डी. फ्रांसीसी (भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद)	**कुल– 04** (अ.पि.व.–01, ई.डब्ल्यू.एस.–01, अना.–02)	फ्रांसीसी में एम.ए. अथवा किसी अन्य भाषा या भाषाविज्ञान में एम.ए. एवं फ्रांसीसी में डिप्लोमा।
	पी–एच.डी. हिंदी साहित्य पी–एच.डी. हिंदी साहित्य क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के लिए पी–एच.डी. हिंदी साहित्य क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता के लिए	**कुल– 23** (अ.ज.जा.–01, अ.पि.व.– 09, ई.डब्ल्यू.एस.–03, अना.–10)	हिंदी अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. नाट्यकलाशास्त्र	**कुल– 04** (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 01)	नाट्यकलाशास्त्र अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. संस्कृत	**कुल– 12** (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.–01, अ.पि.व.–03, ई.डब्ल्यू.एस.–01, अना.– 05)	संस्कृत अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. गांधी एवं शांति अध्ययन	**कुल–09** (अ.जा.–01, अ.ज.जा.–01, अ.पि.व–02, ई.डब्ल्यू.एस.– 01, अना.– 04)	समाज विज्ञान के किसी भी विषय में अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. स्त्री अध्ययन पी–एच.डी. स्त्री अध्ययन क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के लिए	**कुल– 06** (अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 02, ई.डब्ल्यू.एस.– 01, अना.– 02)	समाज विज्ञान के किसी भी विषय में अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. बौद्ध अध्ययन	**कुल– 02** (अ.पि.व.– 01, ई.डब्ल्यू.एस.– 01)	बौद्ध अध्ययन अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. दलित एवं जनजातीय अध्ययन	**कुल– 06** (अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 03, ई.डब्ल्यू.एस.– 01, अना.– 01)	दलित एवं जनजातीय अध्ययन/ इतिहास / समाजशास्त्र/राजनीति विज्ञान /मानवविज्ञान/अर्थशास्त्र अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. दर्शनशास्त्र	**कुल– 08** (अ.जा.– 01, अ.पि.व.– 02, ई.डब्ल्यू.एस.– 01, अना.– 04,)	दर्शनशास्त्र अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. समाज कार्य	**कुल– 13** (अ.जा.–02, अ.ज.जा.–02, अ.पि.व. –05, ई.डब्ल्यू.एस.–02, अना.–02)	एम.एस. डब्ल्यू/मनोचिकित्सकीय समाजकार्य/गांधीय समाज कार्य/दलित अध्ययन/सामुदायिक विकास/ग्रामीण विकास अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. समाजशास्त्र	**कुल– 04** (अ.पि.व.– 01, ई.डब्ल्यू.एस.– 01, अना. – 02)	समाजशास्त्र/जेंडर अध्ययन अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।

	पाठ्यक्रम का नाम	सीटों की संख्या	विषय से संबंधित/सुसंगत विषय
	पी–एच.डी. जनसंचार	**कुल– 09** (अ.जा.–03, अ.ज.जा.–01, अ.पि.व.–01, ई.डब्ल्यू.एस.– 02 अना.– 02)	जनसंचार अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. मानवविज्ञान	**कुल– 03** (अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 01, ई.डब्ल्यू.एस.– 01)	मानवविज्ञान/मानवशास्त्र/समाजशास्त्र/फोरेंसिक साइंस अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. अनुवाद अध्ययन पी–एच.डी. अनुवाद अध्ययन क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता के लिए	**कुल– 12** (अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 01, अना.– 06)	अनुवाद अध्ययन/किसी भी भारतीय अथवा विदेशी भाषा–साहित्य/हिंदी (अनुवाद)/भाषाविज्ञान अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन	**कुल– 03** (अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 01, ई.डब्ल्यू.एस.– 01)	प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन/समाजशास्त्र/इतिहास/मानवविज्ञान अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।
	पी–एच.डी. शिक्षाशास्त्र	**कुल– 03** (अ.जा.– 01, अ.पि.व.–01, ई.डब्ल्यू.एस.– 01)	शिक्षाशास्त्र अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।

*** पराविद्या एवं उच्च शोध एवं ज्ञान-सर्जन केंद्र**

पराविद्या एवं उच्च शोध एवं ज्ञान-सर्जन केंद्र में कुल 19 सीटें निर्धारित हैं। ये सीटें शोध निर्देशकों के संबंधित विभागों की कुल सीटों में सम्मिलित हैं। इन सीटों का श्रेणी वार आरक्षण संबंधित विभाग में रिक्त सीटों के अनुसार ही होगा।

पाठ्यक्रम : एम.ए.

प्रवेश हेतु अर्हताः	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग **(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक सहित संबंधित/सुसंगत विषय के साथ उत्तीर्ण * किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से संगणक/सूचना प्रौद्योगिकी/गणित/इलेक्ट्रानिक/भाषाविज्ञान विषय के साथ संबंधित/सुसंगत विषय के साथ स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग **(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक सहित उत्तीर्ण।

पाठ्यक्रम क्रेडिट	पाठ्यक्रम का नाम	सीटों की संख्या
एम.ए. (90 क्रेडिट)	1. एम.ए. हिंदी (भाषाविज्ञान) 2. एम.ए. हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)	**कुल– 15** (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.–04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.–06)
	* मास्टर ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग (एम.आई.एल.ई.)	**कुल– 15** (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.–04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.–06)
	एम.ए. हिंदी साहित्य	**कुल– 30** (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)
	1. एम.ए. हिंदी (तुलनात्मक भारतीय साहित्य) 2. एम.ए. हिंदी (भाषाशिक्षण) 3. एम.ए. हिंदी (अनुवाद) (समेकित सीटों की संख्याः 30)	**कुल– 30** (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)
	एम.ए. हिंदी साहित्य (क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज के लिए)	**कुल– 30** (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)
	1. एम.ए. हिंदी (अनुवाद) 2. एम.ए. हिंदी (भाषाशिक्षण) (क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज के लिए) (समेकित सीटों की संख्याः 30)	**कुल– 30** (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)
	एम.ए. हिंदी साहित्य (क्षेत्रीय केंद्र,कोलकाता के लिए)	**कुल– 15** (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.–04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.–06)
	एम.ए. हिंदी (अनुवाद) (क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता के लिए)	**कुल– 15** (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.–04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.–06)

पाठ्यक्रम क्रेडिट	पाठ्यक्रम का नाम	सीटों की संख्या
	नाट्यकलाशास्त्र	कुल– 30 (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)
	फ़िल्म अध्ययन	कुल– 30 (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)
	संस्कृत	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	मराठी	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	गांधी एवं शांति अध्ययन	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	स्त्री अध्ययन	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	बौद्ध अध्ययन	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	एम.एस.डब्ल्यू.	कुल– 50 (अ.जा.– 07, अ.ज.जा.– 04, अ.पि.व.– 14, ई.डब्ल्यू.एस.– 05, अना.– 20)
	एम.एस.डब्ल्यू. (क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज के लिए)	कुल– 50 (अ.जा.– 07, अ.ज.जा.– 04, अ.पि.व.– 14, ई.डब्ल्यू.एस.– 05, अना.– 20)
	समाजशास्त्र	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	इतिहास	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	दर्शनशास्त्र	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	राजनीति विज्ञान	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	राजनीति विज्ञान (क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज के लिए)	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	जनसंचार	कुल– 30 (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)
	मानवविज्ञान	कुल– 30 (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)
	अनुवाद अध्ययन	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	शिक्षाशास्त्र	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02 अना.– 06)
	मनोविज्ञान	कुल– 30 (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)

हिंदी के नवोन्मेषी नये पाठ्यक्रम

हिंदी संबंधी ये सभी पाठ्यक्रम देश भर में संचालित एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रमों के समतुल्य हैं। रोजगार और कौशल विकास की दृष्टि से इन्हें विशेषीकृत किया गया है।

1. एम.ए. हिंदी (भाषाविज्ञान)

पाठ्यक्रम क्रेडिट– 90

क्रेडिट संरचना– अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के समान होगी।

पाठ्यक्रम विन्यास– 04 सेमेस्टर के इस पाठ्यक्रम में प्रथम दो सेमेस्टर में भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण संबंधी पाठ्यक्रम होंगे। तीसरे और चौथे सेमेस्टर में भाषाविज्ञान के प्रगत (Advance) अध्ययन के साथ–साथ भाषा–सर्वेक्षण, कोश–निर्माण, भाषावैज्ञानिक–विश्लेषण, पाठ–विश्लेषण आदि संबंधी पाठ्यक्रम पढ़ाये जाएँगे।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य–

1. हिंदी भाषा और व्याकरण के साथ–साथ भाषाविज्ञान के आधारभूत और अधुनातन सिद्धांतों/ज्ञानशाखाओं से गहन परिचय और उनके व्यावहारिक प्रयोग की क्षमता विकसित करना।
2. हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के लिए भाषा–सर्वेक्षक, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भाषा–विश्लेषक, कोश–निर्माता तैयार करना।

रोजगार के अवसर–

1. विश्वविद्यालयों में भाषाविज्ञान की विशेषज्ञता संपन्न हिंदी शिक्षक।
2. सरकारी/सार्वजनिक/निजी उपक्रमों में भाषा–सर्वेक्षक एवं भाषा–विश्लेषक।
3. सरकारी संस्थाओं/प्रकाशन गृहों अथवा स्वतंत्र रूप से कोश–निर्माता।

2. एम.ए. हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)

पाठ्यक्रम क्रेडिट– 90

क्रेडिट संरचना– अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के समान होगी।

पाठ्यक्रम विन्यास– 04 सेमेस्टर के इस पाठ्यक्रम में प्रथम दो सेमेस्टर में भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण संबंधी पाठ्यक्रम होंगे। तीसरे और चौथे सेमेस्टर में भाषा प्रौद्योगिकी, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, प्राकृतिक भाषा संसाधन (NLP) संबंधी पाठ्यक्रम पढ़ाये जाएँगे।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य–

1. विद्यार्थियों को हिंदी व्याकरण एवं भाषाविज्ञान के साथ–साथ अद्यतन विकसित भाषा प्रौद्योगिकी से परिचित कराना।
2. प्राकृतिक भाषा संसाधन (NLP) और प्रोग्रामिंग में दक्ष बनाना।
3. हिंदी के लिए मुख्यतः अन्य भारतीय भाषाओं के आवश्यक टूल्स, सॉफ्टवेयर आदि का विकास।

रोजगार के अवसर–

1. विश्वविद्यालयों में भाषा प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता संपन्न हिंदी शिक्षक।
2. सरकारी/सार्वजनिक/निजी उपक्रमों में सॉफ्टवेयर डेवलपर ।
3. स्वतंत्र रूप से प्रौद्योगिकी आधारित कोश आदि ज्ञान संपदा का निर्माण।

3. एम.ए. हिंदी (भाषाशिक्षण)

पाठ्यक्रम क्रेडिट– 90

क्रेडिट संरचना – अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के समान होगी।

पाठ्यक्रम विन्यास– 04 सेमेस्टर के इस पाठ्यक्रम में प्रथम दो सेमेस्टर में हिंदी साहित्य के आधारभूत पाठ्यक्रम पढ़ाये जाएँगे। तीसरे और चौथे सेमेस्टर में विद्यार्थियों को हिंदी भाषाशिक्षण में शिक्षित–प्रशिक्षित किया जाएगा।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य–

1. इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य हिंदी के विद्यार्थियों को भाषाशिक्षण में प्रशिक्षित कर इस कार्य हेतु दक्ष बनाना।
2. विद्यालयी और विश्वविद्यालयी हिंदी शिक्षा के लिए योग्य शिक्षक तैयार करना।

रोजगार के अवसर–

1. विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में हिंदी के विशेषज्ञता संपन्न शिक्षक।
2. सेकेंडरी/सीनियर सेकेंडरी स्तर के विद्यालयी शिक्षक (बी.एड. की उपाधि प्राप्त/प्राप्त करने वाले)।
3. विदेशी विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/निजी विद्यालयों में हिंदी शिक्षक।
4. वेब आधारित ऑनलाइन हिंदी शिक्षण के लिए स्वतंत्र व्यवसाय।

4. एम.ए. हिंदी (अनुवाद)

पाठ्यक्रम क्रेडिट – 90

क्रेडिट संरचना– अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के समान होगी।

पाठ्यक्रम विन्यास– 04 सेमेस्टर के इस पाठ्यक्रम में प्रथम दो सेमेस्टर हिंदी साहित्य के वे सभी पाठ्यक्रम अनिवार्य रूप से पढ़ाये जाएँगे जो हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित हैं। तीसरे और चौथे सेमेस्टर अनुवाद विद्या और उसकी प्रविधि सहित कौशल विकास एवं दक्षता संबंधी पाठ्यचर्याएँ सम्मिलित होंगी।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य–

1. इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य हिंदी साहित्य के साथ–साथ अनुवाद विद्या में विशेषीकृत शिक्षकों/शोधकों को तैयार करना।
2. स्रोत भाषा से हिंदी में अनुवाद करने वाले अनुवादकों का कौशल संपन्न व्यावसायिक समूह विकसित करना।

रोजगार के अवसर–

1. विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में हिंदी के विशेषज्ञता संपन्न शिक्षक।
2. सरकारी/सार्वजनिक/निजी क्षेत्र के उपक्रमों के लिए प्रशिक्षित एवं दक्ष राजभाषा अधिकारी तथा अनुवादक।
3. स्वतंत्र व्यावसायिक अनुवादक के रूप में कार्य।

5. एम.ए. हिंदी (तुलनात्मक भारतीय साहित्य)

पाठ्यक्रम क्रेडिट– 90

क्रेडिट संरचना– अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के समान होगी।

पाठ्यक्रम विन्यास– 04 सेमेस्टर के इस पाठ्यक्रम में प्रथम दो सेमेस्टर हिंदी साहित्य के वे सभी पाठ्यक्रम अनिवार्य रूप से पढ़ाये जाएँगे जो हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित हैं। तीसरा और चौथा सेमेस्टर तुलनात्मक साहित्य सिद्धांत और प्रविधि, भारतीय साहित्य तथा हिंदी एवं भारतीय साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के व्यावहारिक पक्षों पर केंद्रित होगा।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य–

1. हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों का शेष भारतीय साहित्य एवं परंपरा से संवाद स्थापित करना तथा परस्पर संबंधों का बोध कराना।
2. हिंदी साहित्य को भारतीय साहित्य के सापेक्षता में देखने–समझने की दृष्टि विकसित करना।
3. तुलनात्मक साहित्य को भारतीय संदर्भ में ज्ञानानुशासन के रूप में विकसित करना और आकार देना।

रोजगार के अवसर–

विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में तुलनात्मक भारतीय साहित्य की विशेषज्ञता के साथ हिंदी शिक्षक।

एम.बी.ए./एम.एड./बी.एड./एम.टेक.

स्नातकोत्तर	एम.टेक. (कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स)
अर्हता : (90 क्रेडिट)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य विश्वविद्यालय अथवा संस्थान से निम्नलिखित कार्यक्रमों में कम से कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग **(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ उत्तीर्ण या समकक्ष ग्रेड होने चाहिए– बी.ई/बी.टेक./एम.एस.सी./एम.सी.ए. (संगणक/सूचना प्रौद्योगिकी/गणित/इलेक्ट्रानिक) अथवा समकक्ष अनुशासन।
अवधि :	4 सेमेस्टर (2 वर्ष)
सीटें :	**कुल– 15** (अ.जा.– 02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
प्रवेश :	ऑनलाइन लिखित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर।

स्नातकोत्तर	एम.बी.ए.
अर्हता : (80 क्रेडिट)	किसी भी अनुशासन अथवा विषय में न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग **(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण। संबंधित अनुशासन वाले विद्यार्थियों को वरीयता दी जाएगी।
अवधि :	4 सेमेस्टर (2 वर्ष)
सीटें :	30 (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.–03, अना.– 12)
प्रवेश :	ऑनलाइन लिखित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर।

स्नातकोत्तर	एम.एड.
अर्हता : (80 क्रेडिट)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य विश्वविद्यालय अथवा संस्थान से निम्नलिखित कार्यक्रमों में कम से कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग **(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ उत्तीर्ण या समकक्ष ग्रेड होने चाहिए– 1. बी.एड. 2. बी.ए. बी.एड./बी.एस.सी. बी.एड. 3. बी.एल.एड. 4. अवर स्नातक उपाधि के साथ डी.एल.एड. (प्रत्येक में 50% अंक)
अवधि :	4 सेमेस्टर (2 वर्ष)
सीटें :	**कुल– 50** (अ.जा.– 07, अ.ज.जा.– 04, अ.पि.व.– 14, ई.डब्ल्यू.एस.– 05, अना.– 20)
प्रवेश :	ऑनलाइन लिखित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर।

स्नातक :	बी.एड.
अर्हता : (80 क्रेडिट)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड/विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग **(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ स्नातक या अन्य समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण। विज्ञान और गणित विषय में विशेषज्ञता और 55% अंकों के साथ इंजीनियरिंग/स्नातक/स्नातकोत्तर या अन्य समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण छात्र भी आवेदन कर सकते हैं।
प्रवेश :	ऑनलाइन लिखित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर।
अवधि :	4 सेमेस्टर (2 वर्ष)
कुल सीटें: 50	**15 सीटः** भाषा विषय (हिंदी, संस्कृत, मराठी एवं अंग्रेजी) (अ.जा.–02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	15 सीटः सामाजिक विज्ञान (अ.जा.–02, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	10 सीटः विज्ञान (अ.जा.– 01, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 03, ई.डब्ल्यू.एस.– 01, अना.–04)
	10 सीटः गणित (अ.जा.– 01, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 03, ई.डब्ल्यू.एस.– 01, अना.–04)
नोटः	15 सीट भाषा विषय (हिंदी, संस्कृत, मराठी एवं अंग्रेजी), 15 सीट सामाजिक विज्ञान, 10 सीट विज्ञान एवं 10 सीट गणित विषय के अनुसार प्रवेश दिया जाएगा। किसी भी विषय विशेष में अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता की स्थिति में अन्य विषय के उपलब्ध अभ्यर्थियों से रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

पाठ्यक्रम : बी.ए./बी.जे.एम.सी./बी.एस.डब्ल्यू.

स्नातक पाठ्यक्रम		सीटों की संख्या
बी.ए.		**कुल संख्या : 300** (अ.जा.–45, अ.ज.जा.– 23, अ.पि.व.– 81, ई.डब्ल्यू.एस.– 30 अना.– 121)
(120 क्रेडिट)	अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्यबोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण।
	अवधि :	06 सेमेस्टर (3 वर्ष)
	प्रवेश :	गुणानुक्रम के आधार पर।

समूह-1	समूह-2	समूह-3
हिंदी	संस्कृत	भाषाविज्ञान
	मराठी	इतिहास
	फ्रांसीसी	समाजशास्त्र
	स्पैनिश	राजनीति विज्ञान
	जापानी	मनोविज्ञान
	चीनी	मानवविज्ञान
	अंग्रेजी	दर्शनशास्त्र
	उर्दू	–

टिप्पणी :

समूह-1 सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य है।

समूह-2 एवं समूह-3 में से एक–एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा केवल समूह–3 से शेष दोनों विषयों का चयन कर सकते है, किंतु समूह–2 से एक से अधिक विषय का चयन नहीं कर सकेंगे।

स्नातक पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या
पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक (बी.जे.एम.सी.) (120 क्रेडिट)	**कुल संख्या : 60** (अ.जा.– 09, अ.ज.जा.– 05, अ.पि.व.– 16, ई.डब्ल्यू.एस.–06, अना.– 24)
बैचलर ऑफ सोशल वर्क (बी.एस.डब्ल्यू.) (120 क्रेडिट)	**कुल संख्या : 60** (अ.जा.– 09, अ.ज.जा.– 05, अ.पि.व.– 16, ई.डब्ल्यू.एस.–06, अना.– 24)
अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्यबोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण।
अवधि :	06 सेमेस्टर (3 वर्ष)
प्रवेश :	गुणानुक्रम के आधार पर।

पाठ्यक्रम : पी.जी. डिप्लोमा

पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या
पी.जी. डिप्लोमा : (40 क्रेडिट)	**भाषाशिक्षण**	15	**दलित विचार**	15
	गांधी विचार	15	**बौद्ध अध्ययन**	15
	मानवाधिकार	15	**अनुवाद**	15
	जेंडर अध्ययन	15	**भारतीय डायस्पोरा**	15
	परामर्श एवं निर्देशन	**कुल–50** (अ.जा.–07, अ.ज.जा.–04, अ.पि.व.–14, ई.डब्ल्यू.एस.–05, अना.–20)		
अर्हता :	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण।			
अवधि :	02 सेमेस्टर (1 वर्ष)			
प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सीटें :	**कुल–15** **आरक्षण–** (अ.जा.– 02, अ. ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02 अना.– 06)			
प्रवेश :	गुणानुक्रम के आधार पर।			

पाठ्यक्रम : डिप्लोमा

डिप्लोमा :	• चीनी • जापानी • फ्रांसीसी • स्पैनिश
अर्हता : (20 क्रेडिट)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्यबोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण तथा संबद्ध विषय में सर्टिफिकेट अनिवार्य।
अवधि :	02 सेमेस्टर (1 वर्ष)
प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सीटें :	कुल – 15 आरक्षण– (अ.जा.– 01, अ.ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 03, ई.डब्ल्यू.एस.– 01, अना.–04)
प्रवेश :	गुणानुक्रम के आधार पर।
डिप्लोमा	फोरेंसिक साइंस (अंशकालिक)
(20 क्रेडिट) अर्हता :	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण।
अवधि :	02 सेमेस्टर (1 वर्ष)
सीटें :	कुल–15, आरक्षण– (अ.जा.– 02, अ. ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02 अना.– 06)
प्रवेश :	गुणानुक्रम के आधार पर।

पाठ्यक्रम : सर्टिफिकेट

सर्टिफिकेट :	• चीनी • जापानी • फ्रांसीसी • स्पैनिश • संस्कृत • मराठी
अर्हता : (20 क्रेडिट)	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्यबोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण दोनों के साथ संबद्ध विषय में सर्टिफिकेट।
अवधि :	02 सेमेस्टर (1 वर्ष)
प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सीटें :	कुल–20, आरक्षण– (अना.–08, अ.पि.व.– 05, अ.जा.– 03, अ.ज.जा.– 02,, ई.डब्ल्यू.एस.– 02)
प्रवेश :	गुणानुक्रम के आधार पर।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों पर संचालित पाठ्यक्रम

क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज

पाठ्यक्रम	विषय	
स्नातकोत्तर (एम.ए.) (90 क्रेडिट)	एम.ए. हिंदी सहित्य	कुल– 30 (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)
	एम.ए. हिंदी (अनुवाद) एम.ए. हिंदी (भाषाशिक्षण)	कुल– 30 (अ.जा.– 05, अ.ज.जा.– 02, अ.पि.व.– 08, ई.डब्ल्यू.एस.– 03, अना.– 12)
	एम.ए. राजनीति विज्ञान	कुल– 15 (अ.जा.– 02, अ. ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02, अना.– 06)
	एम.एस.डब्ल्यू.	कुल– 50 (अ.जा.– 07, अ.ज.जा.– 04, अ.पि.व.– 14, ई.डब्ल्यू.एस.– 05, अना.– 20)
अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक सहित स्नातक। संबंधित/सुसंगत विषय में उत्तीर्ण।	
अवधि :	04 सेमेस्टर (2 वर्ष)	
प्रवेश :	गुणानुक्रम के आधार पर।	

पाठ्यक्रम	विषय
पी.जी. डिप्लोमा :	**अनुवाद**
अर्हता : (40 क्रेडिट)	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक (10+2+3) उत्तीर्ण।
अवधि :	02 सेमेस्टर (1 वर्ष)
सीट :	**कुल– 15** **आरक्षण–** (अ.जा.– 02, अ. ज.जा.– 01, अ.पि.व.– 04, ई.डब्ल्यू.एस.– 02 अना.– 06)
प्रवेश :	गुणानुक्रम के आधार पर।

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

पाठ्यक्रम	विषय
स्नातकोत्तर (एम.ए.)	• **हिंदी साहित्य एवं हिंदी (अनुवाद)**
अर्हता : (90 क्रेडिट)	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग **(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंक सहित स्नातक संबंधित/सुसंगत विषय में उत्तीर्ण।
अवधि :	04 सेमेस्टर (2 वर्ष)
प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सीटें :	**कुल : 15** **आरक्षण–** (अ.जा.–02, अ. ज.जा.–01, अ.पि.व.–04, ई.डब्ल्यू.एस.–02 अना.–06)
प्रवेश :	गुणानुक्रम के आधार पर।

अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रमुख दायित्वों में से एक हिंदी को विश्वभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना भी है। अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी के विकास के लिए केंद्रीय और समन्वयक अभिकरण के रूप में कार्य करने के लिए भी विश्वविद्यालय निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय का भाषा विद्यापीठ अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों का संचालन, प्रबंधन, नियमन और शिक्षण करता है। अब तक इन पाठ्यक्रमों में यूरोप, अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों– जर्मनी, पोलैंड, बेल्जियम, क्रोएशिया, हंगरी, श्रीलंका, थाईलैंड, मॉरिशस, चीन, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, नेपाल, कोरिया आदि देशों के विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर चुके हैं/कर रहे हैं। विश्वविद्यालय ने समय–समय पर विभिन्न देशों के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक अनुबंध किए हैं। ये देश हैं– श्रीलंका, हंगरी, मॉरिशस, जापान, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, रूस, चीन आदि।

संचालित पाठ्यक्रम

क्रम	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	लक्ष्य/अर्हता
1	**आधार पाठ्यक्रम**	4 सप्ताह	ऐसे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी जिनका हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि से कोई परिचय नहीं है।
2	**अल्पावधि गहन/ प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (Short Term Intensive Certificate Course)**	4 सप्ताह	ऐसे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी जिन्होंने कम–से–कम 2 सेमेस्टर का हिंदी पाठ्यक्रम पूरा किया है।
3	**डिप्लोमा पाठ्यक्रम**	2 सेमेस्टर (1 वर्ष) (कोई विद्यार्थी 1 सेमेस्टर की पढ़ाई के बाद प्रमाणपत्र लेकर पाठ्यक्रम छोड़ सकता है।)	10+2 और हिंदी भाषा से सामान्य परिचय अथवा 4 सप्ताह का आधार पाठ्यक्रम

4	**बी.ए. हिंदी, भाषा, साहित्य और संस्कृति**	6 सेमेस्टर (3 वर्ष)	10+2 और/डिप्लोमा पाठ्यक्रम (यदि हिंदी भाषा व्यवहार में दक्षता नहीं है तो)
5	**एम.ए. हिंदी**	4 सेमेस्टर (2 वर्ष)	बी.ए. हिंदी, भाषा, साहित्य और संस्कृति अथवा हिंदी में डिप्लोमा 02 सेमेस्टर के साथ सुसंगत विषयों के समतुल्य उपाधि
6	**पी–एच.डी.**	6–12 सेमेस्टर	हिंदी अथवा सुसंगत विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि अथवा समतुल्य ग्रेड

टिप्पणी : जिन विश्वविद्यालयों के साथ महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का अनुबंध (MoU) है, उनके विद्यार्थियों के लिए आवश्यकता आधारित अन्य पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे।

1. सभी पाठ्यक्रमों के लिए अनिवार्य शुल्क Compulsory fees for all courses	**राशि (रुपये/डॉलर में) Amount in INR/USD**
(i) प्रवेश शुल्क (Admission fee)	**10 USD अथवा समतुल्य INR**
(ii) परिचय-पत्र शुल्क (Identity card fee)	**05 USD अथवा समतुल्य INR**
(iii) पुस्तकालय शुल्क (Library fee)	**10 USD अथवा समतुल्य INR (Per Semester)**
(iv) इंटरनेट शुल्क (Internet fee)	**250 INR (Per Month), 1500 INR (Per Semester)**
(v) परीक्षा शुल्क (Exam fee)	**10 USD अथवा समतुल्य INR (Per Semester)**
2. शिक्षण शुल्क (Tuition Fee)	**राशि (डॉलर में) Amount in USD**
आधार पाठ्यक्रम (Foundation Course)	**150 USD अथवा समतुल्य INR**
अल्पावधि गहन/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम Short Term Intensive Certificate Course	**200 USD अथवा समतुल्य INR**
डिप्लोमा पाठ्यक्रम (Diploma Course)	**400 USD अथवा समतुल्य INR (Per Semester)**
बी.ए. हिंदी (भाषा, साहित्य और संस्कृति) B.A. Hindi (Language, Literature and Culture)	**600 USD अथवा समतुल्य INR (Per Semester)**
एम.ए. हिंदी (M.A. Hindi)	**800 USD अथवा समतुल्य INR (Per Semester)**
पी-एच.डी. (Ph.D.)	**2000 USD अथवा समतुल्य INR (Per Year)**
3. छात्रावास शुल्क (Hostel Fee)	**राशि (रुपये में) Amount in INR**
1. Room Rent (including AC & Gym with Water & Electricity Charges)	**6000 INR (Per Month)**
4. छात्रावास मेस शुल्क (Hostel Mess Fee)	**राशि (रुपये में) Amount in INR**
(i) नाश्ता (Breakfast)	**100 INR**
(ii) लंच/डिनर (Lunch/Dinner)	**100 INR (Per Meal)**
(iii) चाय (Tea)	**15 INR**
(iv) कॉफी (Coffee)	**20 INR**

सुविधाएँ : फ़ादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास (वातानुकूलित) में आवासीय सुविधा, वातानुकूलित व्याख्यान कक्ष, कंप्यूटर प्रयोगशाला, भाषा प्रयोगशाला, इंटरनेट (वाई–फाई), व्यायामशाला एवं क्रीड़ा–स्थल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र।

प्रवेश : पी–एच.डी. में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश–प्रक्रिया में शामिल होना होगा, अन्य पाठ्यक्रमों के अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को निर्धारित पात्रता होने पर प्रवेश–परीक्षा से छूट दी गयी है। किंतु केंद्र द्वारा हिंदी दक्षता संबंधी परीक्षा ली जा सकती है। प्रवेश होने की स्थिति में उन्हें निम्नलिखित दस्तावेज़ प्रस्तुत करने होंगे–

1. छात्र वीज़ा (अन्य प्रकार के वीज़ा मान्य नहीं)
2. चिकित्सा प्रमाणपत्र (भारत सरकार द्वारा निर्धारित)।
3. अर्हता (तुल्यता) प्रमाण पत्र।

संपर्क : फ़ोन: +91–7152–251134, ई–मेल: isa.mgahv@gmail.com

शुल्क–विवरण

पी–एच.डी.

शुल्क मद / पाठ्यक्रम का नाम	पंजीयन शुल्क	परीक्षा शुल्क	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	स्टूडियो / प्रयोगशाला / क्षेत्रीय कार्य / शैक्षणिक भ्रमण शुल्क	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम / खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल
पी–एच.डी. (समस्त पाठ्यक्रम)	2000	2500	350	विभागाध्यक्ष / केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	500	75	25	600	50	100	6200

एम.ए. / एम.एड. / एम.बी.ए. / एम.एस.डब्ल्यू.

शुल्क मद / पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (वार्षिक)	स्टूडियो / प्रयोगशाला / क्षेत्रीय कार्य / शैक्षणिक भ्रमण शुल्क	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम / खेलकूद	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल
एम.ए. श्रेणी–01	300	500	250	250	विभागाध्यक्ष / केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	100	75	25	600	50	100	2250
एम.ए. श्रेणी–02	300	1000	250	250		100	75	25	600	50	100	2750
एम.ए. श्रेणी–03	300	1500	250	250		100	75	25	600	50	100	3250
एम.एड.	3000	5000	550	250		100	75	25	600	50	100	9750
एम.बी.ए.	2500	3000	550	250		100	75	25	600	50	100	7250

श्रेणी : 01 हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी), हिंदी (भाषाविज्ञान), हिंदी (अनुवाद), हिंदी साहित्य, हिंदी (तुलनात्मक भारतीय साहित्य), हिंदी (भाषाशिक्षण), अनुवाद अध्ययन, गांधी एवं शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, दलित एवं जनजातीय अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, दर्शनशास्त्र, मानवविज्ञान, संस्कृत, मराठी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास।

श्रेणी : 02 नाट्यकलाशास्त्र, फिल्म अध्ययन, जनसंचार, एम.एस.डब्ल्यू., प्रवासन तथा डायस्पोरा अध्ययन, शिक्षाशास्त्र, मनोविज्ञान।

श्रेणी : 03 मास्टर ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग।

बी.एस.डब्ल्यू./बीजेएमसी/बी.ए./बी.एड.

शुल्क मद/ पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (वार्षिक	स्टूडियो/प्रयोगशाला /क्षेत्रीय कार्य/ शैक्षणिक भ्रमण शुल्क	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम/ खेलकूद शुल्क	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल
बीएसडब्ल्यू	300	500	250	250	विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	100	75	25	600	50	100	2250
बीजेएमसी	300	500	250	250		100	75	25	600	50	100	2250
बी.ए.	300	500	250	250		100	75	25	600	50	100	2250
बी.एड.	2000	4000	550	250		100	75	25	600	50	100	7750

सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

शुल्क मद/ पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	प्रयोगशाला शुल्क	परीक्षा शुल्क (वार्षिक)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	पुस्तकालय शुल्क	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	सांस्कृतिक कार्यक्रम/ खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल
श्रेणी–01	300	1000	600	000	250	250	50	50	25	75	100	2700
श्रेणी–02	300	1000	600	000	250	250	50	50	25	75	100	2700
श्रेणी–03	300	2000	600	000	250	250	50	50	25	75	100	3700
श्रेणी–04	300	1000	600	1000	250	250	50	50	25	75	100	3700

श्रेणी–01 पी.जी.डिप्लोमा : भाषाशिक्षण, पी.जी.डी.सी.ए., अनुवाद, जेंडर अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, मानवाधिकार, गांधी विचार, भारतीय डायस्पोरा, दलित विचार, परामर्श और निर्देशन।

श्रेणी–02 सर्टिफिकेटः फ्रांसीसी, चीनी, स्पैनिश, जापानी, संस्कृत, मराठी।

श्रेणी–03 डिप्लोमाः फ्रांसीसी, चीनी, स्पैनिश, जापानी।

श्रेणी–04 डिप्लोमा इन फोरेंसिक साइंस (अंशकालिक)।

विभिन्न विभागों/पाठ्यक्रमों संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए
विश्वविद्यालय की वेबसाइट : www. hindivishwa.org पर लॉगइन करें।

विश्वविद्यालय महात्मा गांधी के नाम पर स्थापित है। अतः प्रवेशार्थियों से यह अपेक्षा होगी कि वे गांधी की आचार-पद्धति और गांधीवादी मूल्यों के प्रति सम्मानशील रहें।

अकादमिक विशेषताएं

1. प्रत्येक विद्यार्थी को बिना अतिरिक्त शुल्क के कंप्यूटर में अनिवार्य प्रशिक्षण।
2. 24×7 वाई–फाई युक्त संपूर्ण परिसर।
3. विद्यार्थियों की भाषायी दक्षता हेतु बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक विदेशी भाषा (चीनी, फ्रांसीसी, जापानी, स्पैनिश आदि) का शिक्षण।
4. सी.बी.सी.एस. (CBCS) के अनुसार विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार वैकल्पिक पाठ्य विषय चुनने की स्वतंत्रता।
5. अर्न व्हाइल लर्न (EWL) योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को अध्ययन कार्यक्रम जारी रखने में सहयोग।

6. स्वच्छ एवं सुविधा संपन्न छात्रावास।
7. विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक व सामाजिक स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण युक्त परिसर।

प्रवेश के नियम

1. प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु पृथक ऑनलाइन आवेदन करना होगा।
2. समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया से होंगे। प्रक्रिया का विवरण संबंधित पाठ्यक्रम के साथ अंकित है और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेश संबंधी प्रक्रिया एवं नियमों में कोई बदलाव होता है तो वह केवल विश्वविद्यालय की **वेबसाइटः** www.hindivishwa.org पर अपलोड किया जाएगा। प्रवेश के इच्छुक आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट का नियमित अवलोकन करें। सूचना प्राप्ति में देरी, सूचना न मिलने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय की नहीं होगी।
3. प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों/शोधार्थियों के लिए विश्वविद्यालय के अधिनियम, परिनियम, अध्यादेशों, नियमों और विनियमों के साथ ही समय–समय पर जारी कार्यालयादेशों, अधिसूचनाओं, सूचनाओं तथा निर्देशों का पालन करना बाध्यकारी होगा।
4. पी–एच.डी. पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पी–एच.डी. उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2016 तथा विश्वविद्यालय की विद्या–परिषद् द्वारा स्वीकृत अद्यतन पी–एच.डी. अध्यादेश के अनुसार संचालित है। प्रवेश के इच्छुक आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर स्वागत बटन/टैब के अंतर्गत उपलब्ध पी–एच.डी. अध्यादेश का अवलोकन अवश्य करें।
5. पी–एच.डी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु इच्छुक ऐसे आवेदक जिनकी उम्र 35 वर्ष से अधिक है, उन्हें पी–एच.डी. में प्रवेशोपरांत किसी भी प्रकार की अध्येतावृत्ति (Fellowship) देय नहीं होगी।
6. विश्वविद्यालय के विद्यार्थी/शोधार्थी एक नियमित पाठ्यक्रम के साथ सिर्फ एक सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा अथवा पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकेंगे।
7. प्रवेशार्थी ने जिस पाठ्यक्रम के लिए आवेदन किया है, उससे भिन्न पाठ्यक्रम में प्रवेश पर विचार नहीं किया जाएगा।
8. अभ्यर्थी द्वारा एक बार अध्ययन केंद्र एवं परीक्षा केंद्र चयन के पश्चात् उनमें परिवर्तन का कोई अवसर नहीं दिया जाएगा न ही इस संबंध में किसी आवेदन पर विचार किया जाएगा।
9. किसी विषय में उच्च डिग्री धारक को उसी विषय के निम्न डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।
10. किसी भी पाठ्यक्रम की प्रवेश की पात्रता के रूप में निर्धारित अर्हक परीक्षा में बैठने जा रहे अभ्यर्थी अपने निजी उत्तरदायित्व पर प्रवेश–परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयनित होने की स्थिति में वे प्रवेश के लिए तभी अधिकृत होंगे, जब उन्होंने अर्हक परीक्षा में अंकों का न्यूनतम निर्धारित प्रतिशत प्राप्त किया होगा। उन्हें पंजीयन के लिए निश्चित समय–सीमा (प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा) से पूर्व अर्हक परीक्षा के अंतिम अंक–पत्र सहित सभी दस्तावेज़ जमा कराने होंगे। ऐसा न करने की स्थिति से उनका प्रवेश पंजीयन स्वतः निरस्त माना जाएगा। इस संबंध में किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।
11. पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश ऑनलाइन लिखित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर होगा जिसमें 80% अधिभार लिखित परीक्षा एवं 20% साक्षात्कार का होगा। अंतिम परिणाम हेतु मेरिट लिखित परीक्षा एवं

साक्षात्कार के अंकों को जोड़ कर तैयार की जाएगी। पी–एच.डी. की ऑनलाइन लिखित प्रवेश परीक्षा में 50% प्रश्न शोध प्रविधि तथा 50% विषय पर आधारित होंगे। लिखित परीक्षा के प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे।

12. शोध निर्देशक की उपलब्धता के आधार पर पी–एच.डी. की सीटें बढ़ाई अथवा घटाई जा सकती हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम होगा।
13. प्रत्येक प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को मूल प्रवजन/(माइग्रेशन) प्रमाण–पत्र/स्थानांतरण प्रमाण–पत्र विश्वविद्यालय में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्व जमा कराना अनिवार्य है। जो विद्यार्थी प्रवेश के दौरान किसी कारणवश प्रवजन प्रमाण–पत्र जमा नहीं करा सकेंगे, उन स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्व जमा कराना अनिवार्य होगा। अन्यथा परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पी–एच.डी. में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों को इसके लिए प्रवेशोपरांत अधिकतम एक माह तक का समय दिया जाएगा, तदुपरांत प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा।
14. प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन को भरते समय आवश्यक दस्तावेज सॉफ्टकॉपी के रूप में उपलब्ध कराएँ जिसकी जानकारी ऑनलाइन आवेदन करते समय दी जाएगी। ऑनलाइन आवेदन करते समय दिए गए निर्देशों का पालन करें।
15. चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में प्रवेश लेते समय अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण–पत्रों/दस्तावेज़ों की एक प्रति प्रवेश अनुभाग में जमा करनी होगी तथा मूल प्रति सत्यापन के लिए उपलब्ध करानी होगी।
16. शैक्षणिक भ्रमण मद में प्राप्त राशि से ही शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। अतिरिक्त व्यय होने पर विद्यार्थी स्वयं वहन करेंगे।
17. शुल्क में किसी प्रकार का बदलाव सभी विद्यार्थियों पर समान रूप से लागू होगा।
18. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग श्रेणी के विद्यार्थियों को नियमानुसार शिक्षण शुल्क से छूट दी जाएगी।
19. विश्वविद्यालय परिसर अथवा छात्रावास में रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित है। उल्लंघन करने वाले विद्यार्थियों पर अनुशासनात्मक/कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में प्रवेश के समय स्वहस्ताक्षरित शपथपत्र देना अनिवार्य है।
20. अभ्यर्थी द्वारा आवेदन–प्रपत्र में दी गई सूचना गलत पाई जाने पर उसका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जाएगा।
21. कोई भी शोधवृत्ति वित्तीय अनुदान प्रदान करने वाले अभिकरण की शर्तों और प्रक्रिया के अधीन देय होगी। पाठ्यक्रम अधूरा छोड़कर जाने वाले अभ्यर्थियों को प्राप्त छात्रवृत्ति/शोधवृत्ति की राशि नियमानुसार विश्वविद्यालय को लौटानी होगी।
22. राजीव गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप/मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फेलोशिप/जेआरएफ/एसआरएफ प्राप्त अभ्यर्थियों को यू.जी.सी. अथवा संबंधित बैंक से फेलोशिप की राशि प्राप्ति में विलंब होने अथवा अन्य किसी भी परिस्थिति में नॉननेट सामान्य फेलोशिप विश्वविद्यालय द्वारा नहीं दी जाएगी।
23. **आरक्षण :** भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार देय होगा। सीटों की संख्या रिक्त होने पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्थान नियमानुसार अंतरपरिवर्तनीय होंगे। अनुसूचित जाति (15%), अनुसूचित जनजाति (7.5%), अन्य पिछड़ा वर्ग (27%), आर्थिक कमजोर वर्ग (10%) तथा दिव्यांग (5%) को क्षैतिजीय आरक्षण/Horizontal Reservation) देय होगा।
24. **शिक्षण माध्यम :** विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं परीक्षा का माध्यम हिंदी है। अतः सभी प्रवेशार्थियों से हिंदी भाषा में दक्षता अपेक्षित है।
25. **शुल्क वापसी :** पाठ्यक्रम से नाम वापस लेने की स्थिति में शुल्क की वापसी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग शुल्क के प्रतिदाय तथा मूल प्रमाणपत्रों को प्रतिधारण के संबंध में जारी अधिसूचना अक्टूबर, 2018 के अनुसार होगी।
26. प्रवेश के संबंध में किसी मामले में विवाद की स्थिति में न्यायाधिकार क्षेत्र वर्धा/नागपुर होगा।
27. क्षेत्रीय केंद्रों पर पी–एच.डी. करने के इच्छुक आवेदकों को आवेदन में ही अपनी वरीयता अंकित करनी होगी।
28. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का अर्हक परीक्षा के बाद अंतराल तीन वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए।
29. स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का अर्हक परीक्षा के बाद अंतराल दो वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए।
30. विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश परीक्षा केंद्रों के अतिरिक्त अन्य प्रवेश परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित से कम संख्या में अभ्यार्थी होने पर उन्हें मुख्यालय वर्धा, प्रयागराज एवं कोलकाता में से किसी एक केंद्र पर परीक्षा देनी होगी।

31. पी–एच.डी. के अतिरिक्त अन्य पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संख्या पाँच (05) से कम होने पर संबंधित पाठ्यक्रम संचालित नहीं होगा। अतः प्रवेशार्थियों को परामर्श दिया जाता है कि स्नातकोत्तर या किसी भी स्तर के डिप्लोमा के लिए एक से अधिक विषयों में आवदेन करें।

उपलब्ध सुविधाएँ

विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है –

1. **छात्रावास :** नियमित पाठ्यक्रम के छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता तथा वरीयता के आधार पर प्रदान की जाती है। छात्रावास हेतु आवेदन पत्र प्रवेश के उपरांत कुलानुशासक कार्यालय अथवा संबंधित छात्रावास अधीक्षक द्वारा दिया जाएगा। छात्रावास आवंटन के पश्चात् विद्यार्थियों को दो माह का अग्रिम मेस शुल्क सहायक कुलसचिव, सामान्य प्रशासन कार्यालय से चालान प्राप्त कर विश्वविद्यालय के **खाता सं.: 972110210000044, IFSC Code : BKID0009721** में जमा करना होगा। समस्त् रहवासियों को मेस में खाना अनिवार्य है।

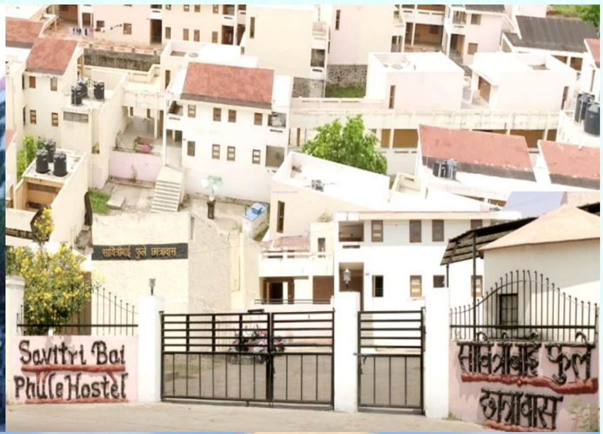

लीला (LILA) एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला

'लीला' (Laboratory in Informatics for the Liberal Arts) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित सूचना–प्रौद्योगिकी अनुषंग है। इक्कीसवीं सदी की विश्व व्यवस्था में सामान्यतः और शिक्षा के क्षेत्र में विशेषतः सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की केंद्रीय उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अभिकलन (Computing) से प्रगाढ़ व्यावहारिक परिचय को अनिवार्य पाठ्यचर्या के रूप में अपनी पाठ्यसंहिता के अंतर्गत रखा है। विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में अभिकलन–आधारित पाठ्यचर्याओं का निर्धारण एवं शिक्षण, अभिकलनमूलक स्वतंत्र पाठ्यक्रमों को चलाना, 'लीला' की जिम्मेदारियाँ हैं। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कंप्यूटर के अनिवार्य–शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।

केंद्रीय पुस्तकालय

महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों से संबंधित एक लाख से अधिक पाठ्य–पुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के उपयोग हेतु महत्त्वपूर्ण शोध–पत्रिकाएँ एवं ऑनलाइन जर्नल भी उपलब्ध हैं।

4. क्रीड़ा और खेलकूद

विश्वविद्यालय स्तर का छात्र शारीरिक गतिविधियों तथा संगठित खेलकूद और खेल कार्यक्रमों के महत्त्व से अवगत होता है जिन्हें उसके शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ जोड़ना आवश्यक है। विश्वविद्यालय ने मेजर ध्यानचंद की स्मृति में एक स्थायी क्रीड़ा स्थल विकसित किया है।

5. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र संचालित है।

अकादमिक कैलैंडर 2020–21

(क)	**अकादमिक कैलेंडर**	
01	शैक्षणिक सत्र (तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर)	01 अगस्त, 2020 से
02	शैक्षणिक सत्र (प्रथम सेमेस्टर)	01 सितंबर, 2020 से
03	टर्मपेपर/सेमिनार जमा करने की अंतिम तिथि	18 दिसंबर, 2020
04	परीक्षा तैयारी अवकाश	21 से 31 दिसंबर, 2020
05	सत्रांत परीक्षा (शीत–सत्र)	01 से 25 जनवरी, 2021
06	शैक्षणिक सत्र (द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठ सेमेस्टर)	27 जनवरी 2021 से
07	टर्मपेपर/सेमिनार जमा करने की अंतिम तिथि	24 मई, 2021
08	परीक्षा तैयारी अवकाश	10 से 25 मई, 2021
09	सत्रांत परीक्षा (मानसून–सत्र)	26 मई से 25 जून, 2021
10	ग्रीष्मावकाश	01 से 30 जुलाई, 2021
11	अध्ययन मंडल की बैठक	प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम एक (01) बैठक एवं पूरे अकादमिक सत्र में दो (02) बैठकों का आयोजन किया जाएगा।
12	स्कूल बोर्ड की बैठक	
13	विद्या–परिषद् की बैठक	
(ख)	**अन्य आयोजन/कार्यक्रम (सत्र 2020–21)**	
1	कबीर जयंती	5 जून, 2020
2	अंतरराष्ट्रीय योग दिवस	21 जून, 2020
3	तुलसीदास जयंती	8 अगस्त, 2020
4	स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त, 2020
5	शिक्षक दिवस	5 सितंबर, 2020
6	हिंदी दिवस	14 सितंबर, 2020
7	महात्मा गांधी जयंती	2 अक्टूबर, 2020
8	राष्ट्रीय एकता दिवस	31 अक्टूबर, 2020
9	शिक्षा दिवस	11 नवंबर, 2020
10	खेल/सांस्कृतिक सप्ताह (एक सप्ताह)	21 से 26 दिसंबर, 2020 (अंतिम सप्ताह)
11	स्थापना दिवस	29 दिसंबर, 2020
12	युवा दिवस	12 जनवरी, 2021
13	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी, 2021
14	मातृभाषा दिवस	21 फरवरी, 2021

प्रस्तावित प्रवेश कार्यक्रम 2020–21

(ग)	**प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम**	
01	सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/पी.जी.डिप्लोमा/बी.ए./बीजेएमसी/बीएसडब्ल्य./बी.एड. /एम.ए./एम.आई.एल.ई./एम.एस.डब्ल्यू/एम.टेक./एम.एड./एम.बी.ए. /पी–एच.डी.पाठ्यक्रमों हेतु शुल्क सहित ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि।	07 अगस्त से 05 सितंबर, 2020
02	पी–एच.डी./एम.टेक./एम.एड./एम.बी.ए./बी.एड. पाठ्यक्रमों हेतु प्राप्त आवेदनों की छानबीन	08 से 10 सितंबर, 2020
03	पी–एच.डी./एम.टेक./एम.एड./एम.बी.ए./बी.एड. ऑनलाइन परीक्षा	19 से 20 सितंबर, 2020
04	पी–एच.डी./एम.टेक./एम.एड./एम.बी.ए./बी.एड. ऑनलाइन लिखित परीक्षा	24 से 25 सितंबर, 2020
05	पी–एच.डी. ऑनलाइन परीक्षा परिणाम की घोषणा	
06	पी–एच.डी. हेतु ऑनलाइन साक्षात्कार की तिथि	05 से 0 7 अक्टूबर, 2020
07	पी–एच.डी./एम.एड./एम.बी.ए./बी.एड.हेतु प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची	
08	सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/पी.जी.डिप्लोमा/बी.ए./बीजेएमसी/बीएसडब्ल्यू./एम.ए. /एम.आई.एल.ई./एम.एस.डब्ल्यू पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची	15 सितंबर, 2020

प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा केंद्र : वर्धा, प्रयागराज, कोलकाता, दिल्ली, हैदराबाद, भोपाल, पटना, गुवाहाटी।

परीक्षा केंद्र, तिथि और समय में परिवर्तन का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।

आवेदन–पत्र का शुल्क (पी–एच.डी./एम.टेक./एम.एड./एम.बी.ए. एवं बी.एड. पाठ्यक्रम हेतु) : अना./अपिव./ई.डब्ल्यू.एस. : रु. 500/ तथा अजा/अजजा/दिव्यांग : रु. 300 अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए : USD 25, ऑनलाइन भुगतान करें।

आवेदन–पत्र का शुल्क (एम.ए./एम.एस.डब्ल्यू./बी.ए./बीजेएमसी/बीएसडब्ल्यू/सर्टिफिकेट/डिप्लोमा एवं पी.जी. डीप्लोमा हेतु) : अना./अपिव./ई.डब्ल्यू.एस. : रु. 300/ तथा अजा/ अजजा/दिव्यांग : रु. 200/ अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए : USD 25, ऑनलाइन भुगतान करें।

पत्राचार पता :

सहायक कुलसचिव, प्रवेश प्रकोष्ठ
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट–हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र) भारत
टोल फ्री नंबर: 1800 2332 141, फोन नं.: 07152–251661
ई–मेल: admissionmgahv@gmail.com, **वेबसाइट :** www.hindivishwa.org

नोवल कोरोनावायरस कोविड–19 जागरुकता

लक्षण सिर दर्द | खांसी | बुखार | सांस की तकलीफ

रोकथाम मुंह ढकें | भीड़ से बचें | हाथ धोएं | हाथ ना मिलाएं | स्वच्छता

- कोरोना वायरस के बढ़ते फैलाव के मद्देनज़र दिनांक 17 फरवरी 2020 को कोरोना वायरस के बारे में जागरूकता और सावधानियाँ आदि के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल तथा सिविल सर्जन डॉ. पुरुषोत्तम मडावी द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम के संबंध में अधिकारियों तथा शैक्षणिक कर्मियों को संबोधित कर जानकारी दी गयी।
- दिनांक 16.03.2020 (सोमवार) को जिला शल्य चिकित्सक डॉ. पुरुषोत्तम मडावी का कोरोना जागरूकता विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान रिकार्ड किया गया। जो https://www.youtube.com/watch?v=-LmkrpfoUpQ लिंक पर उपलब्ध है।

- दिनांक 21 मार्च 2020 को प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल, कुलपति ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु महत्त्वपूर्ण संदेश जारी किया, जो https://youtu.be/YQgf-9BKTsQ लिंक पर उपलब्ध है।

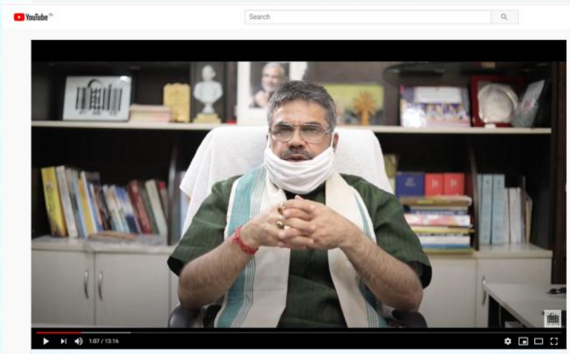

- दिनांक 23 अप्रैल 2020 को प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल, कुलपति ने कोविड–19 के संक्रमण के बचाव के संदर्भ में अपील की, जो https://youtu.be/7ADfnVH2fLE लिंक पर उपलब्ध है।

वर्धा

वर्धा महाराष्ट्र राज्य का एक जिला मुख्यालय है जो उपराजधानी नागपुर से लगभग 80 कि.मी. दूर नागपुर–मुंबई हाइवे पर स्थित है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तपस्थली 'सेवाग्राम' वर्धा में ही स्थित है। वर्धा की अवस्थिति देश के लगभग बीचो–बीच है। वर्धा पहुँचना बहुत आसान है। रेल, सड़क और वायु– तीनों मार्गों से यहाँ पहुँचा जा सकता है। रेलमार्ग से यह समूचे देश से जुड़ा है। यहाँ 'सेवाग्राम' और 'वर्धा' दो रेलवे स्टेशन हैं। यहाँ से लगभग 70 कि.मी दूरी पर नागपुर का बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी है, जहाँ से देश के सभी प्रमुख शहरों के लिए नियमित उड़ानें हैं।

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT

एक भारत श्रेष्ठ भारत

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- कोविड-19 महामारी के दौरान भी छात्र-छात्रों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए छात्रावास अनवरत खुले रहे।
- विद्यार्थियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए विश्वविद्यालय कार्यदिवस में कार्यालयीन अवधि के दौरान टोल फ्री नं. **18002332141** व व्यक्तिगत संपर्क हेतु दो काउसंलर कर्तव्यस्थ किए हैं।
- कोविड-19 से बचाव हेतु संपूर्ण परिसर का नियमित सेनेटाइज़ेशन किया जा रहा है। साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन सुनिश्चित किया गया है।
- सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए जरूरतमंद लोगों को विश्वविद्यालय द्वारा सहायता एवं सहयोग प्रदान किया गया।
- कोविड-19 महामारी के कारण फैली निराशा के बीच भी सामान्य न्यूनतम आवश्यक कार्य के साथ-साथ सामान्य अनुसंधान एवं अध्ययन-अध्यापन की निरंतरता बनी हुई है।
- सामाजिक अंतराल, मुखावरण (फेस मास्क) आदि सुरक्षात्मक उपायों के साथ विश्वविद्यालय के पूर्णत: कोविड-19 से मुक्त परिसर में अध्ययन-अध्यापन एवं शोध की गतिविधियों को आशातीत ढंग से निरंतरता प्रदान की जा रही है। ऐसे सुरक्षित परिसर में नवागंतुक छात्रों के योगक्षेम की चिंता करते हुए उनके बेहतर भविष्य के लिए विश्वविद्यालय बद्धपरिकर है।
- अर्न व्हाइल लर्न योजना के तहत प्राप्त आवेदनों मे से 56 प्रतिशत अभ्यर्थियों को अध्ययन के दौरान आंशिक रोजगार उपलब्ध कराया गया।
- सामान्य स्थिति बहाल होने तक विश्वविद्यालय अध्ययन-अध्यापन की निरंतरता को बनाए रखते हुए सभी पाठ्यक्रम सरल व सुलभ तकनीक का प्रयोग कर ऑनलाइन माध्यम से संचालित करता रहेगा।

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गांधी हिल्स, वर्धा - 442 001 (महाराष्ट्र) भारत

फोन : (07152) 251661

ई-मेल : admissionmgahv@gmail.com, वेबसाइट : www.hindivishwa.org